



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 525]
No. 525]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 12, 1988/आश्विन 20, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 12, 1988/ASVINA 20, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंककारी प्रभाग)

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1988

अधिसूचना

का.मा. 941(घ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण
बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) की धारा 62 के साथ पठित
धारा 68 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए निम्नलिखित नियम
बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण
बैंक (कर्मचारी अधिपत्य विधि) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं

इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(1) “अधिनियम” से भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम,
1984 (1984 का 62) अभिप्रेत है ;

(2) “प्रशासक” से नियम 4 में निविष्ट विधि का कोई प्रशासक अभिप्रेत
है ;

(3) “अध्यक्ष” से पुनर्निर्माण बैंक का अध्यक्ष अभिप्रेत है ;

(4) “कुटुम्ब” से,

(1) किसी पुरुष सदस्य की दशा में पत्नी या पत्नियां, बालक
(जिसके अन्तर्गत धर्मज या दत्तक बालक हैं चाहे विवाहित हों या
अविवाहित), आश्रित माता पिता और पूर्ण मृत्यु पक्ष की विधवा और
बालक अभिप्रेत हैं।

परन्तु यह तब जब कोई सदस्य प्रशासन समिति का यह समाधान
कर वेता है कि उसकी पत्नी स्थायिक रूप से पृथक् हो गई है या उस
समुदाय की जिसकी वह है, रुढ़िजन्म या स्वीय विधि के अधीन भरण
पोषण के लिए हकदार नहीं रह गई है, तो वह तत्पश्चात् सदस्य के
कुटुम्ब का भाग नहीं मानी जाएगी जब तक कि सदस्य प्रशासक समिति
का लिखित रूप में यह संसूचित नहीं कर वेता है कि वह इस प्रकार मानी
जानी रहेगी ;

(2) किसी महिला सदस्य की दशा में, उसका पति, उसके बालक
(जिसके अन्तर्गत धर्मज और दत्तक बालक हैं) चाहे विवाहित हों या

अविवाहित, या अश्रित माता-पिता उनके पति के अश्रित माता-पिता या पूर्व मृत्यु पुत्र की विधवा और उसके बालक अभिप्रेत हैं ;

परन्तु यह तब जब कि कोई सदस्य, लिखित सूचना द्वारा प्रशासक-समिति को अपने कुटुम्ब से अपने पति को अपवर्जित करने की बांछा प्रकट करती है तो पति और उसके अश्रित माता-पिता तत्पश्चात् कुटुम्ब के सदस्य कक भाग नहीं माने जाएंगे जब तक कि सदस्य बाद में ऐसी सूचना को लिखित रूप में रद्द नहीं कर देता है।

(5) "निधि" से अधिनियम की धारा 62 के अधीन गठित भविष्य-निधि अभिप्रेत है ;

(6) "सदस्य" से पुनर्निर्माण बैंक का ऐसा अधिकारी या कर्मचारी अभिप्रेत है जिससे निधि का सदस्य बनने की अपेक्षा की गई है या जो सदस्य बनने का हकदार है ;

(7) "वेतन" से अधिष्ठायी वेतन और जहाँ अनुज्ञेय हो वहाँ विशेष वेतन, निजी वेतन, विशेष निजी वेतन, विदेश वेतन और स्थानापन्न वेतन अभिप्रेत है। किन्तु इसके अन्तर्गत कोई भत्ता या अन्य उपलब्धियाँ नहीं हैं जब तक कि उन्हें बोर्ड द्वारा वेतन के रूप में विशेष रूप से वर्गीकृत न किया गया हो।

(8) "स्थानान्तरित कर्मचारी" से नियम का ऐसा अधिकारी या कर्मचारी अभिप्रेत है जो अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन पुनर्निर्माण बैंक का अधिकारी या कर्मचारी हो गया है।

(9) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं, किन्तु परिभाषित नहीं हैं और जो अधिनियम में परिभाषित हैं वही अर्थ होंगे जो उनके क्रमणः उस अधिनियम में हैं।

3. गठन :

अधिनियम की धारा 62 के अधीन गठित निधि "भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य-निधि" कहलाएगी।

4. प्रशासन :

निधि पुनर्निर्माण बैंक द्वारा धारित की जाएगी और प्रशासक-समिति द्वारा प्रशासित की जाएगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगा, अर्थात् :—

- (क) अध्यक्ष;
- (ख) निदेशक जिसे बोर्ड द्वारा नामनिर्देशित किया जाएगा;
- (ग) प्रबंध निदेशक या उससे ऊपर की पंक्ति का पुनर्निर्माण बैंक का अधिकारी जिसे बोर्ड द्वारा नामनिर्देशित किया जाएगा; और
- (घ) तीन व्यक्ति जिन्हें अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाएगा उनमें से एक अधिकारियों में से और दो पुनर्निर्माण बैंक के अन्य कर्मचारियों में से होंगे।

5. बैठकें और गणपूर्ति :

(1) प्रशासक-समिति की बैठक कलकत्ता में या ऐसे अन्य स्थान पर और एस समय पर जो अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त नियत की जाए, होगी।

(2) अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में निदेशक या दोनों की अनुपस्थिति में नियम 4 के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट अधिकारी ऐसी बैठक की अध्यक्षता करेगा।

(3) ऐसी किसी बैठक में किसी कारबार का संयवहार तब तक न किया जाएगा जब तक कि कम से कम तीन प्रशासन उपस्थित न हों जिनमें से कम से कम एक अध्यक्ष, निदेशक या नियम 4 के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट अधिकारी होगा।

(4) यदि किसी बैठक में, गणपूर्ति उपस्थित नहीं है, तो अध्यक्षता करने वाला अधिकारी बैठक स्थगित कर देगा, प्रशासक को स्थगित बैठक का समय और स्थान सूचित करेगा और तदुपरि ऐसी स्थगित बैठक में

उपस्थित प्रशासकों की संख्या पर ध्यान दिए बिना कारबार का निपटारा करना विधिपूर्ण होगा।

(5) ऐसे प्रत्येक प्रश्न का जिस पर प्रशासक-समिति की बैठक में विचार किया गया है, विनिश्चय उपस्थित और मतदान करने वाले प्रशासकों के बहुमत से किया जाएगा और मतों के बराबर होने की घणा में बैठक की अध्यक्षता करने वाले अधिकारी का निर्णायक मत होगा।

6. लेखाओं का विवरण

निधि के लेखा 31 मार्च को यथा विद्यमान रूप में वार्षिक रूप से तैयार किए जाएंगे और उस तारीख को लेखाओं का एक संपरीक्षित विवरण प्रशासक-समिति की बैठक में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाएगा जो प्रतिवर्ष विसम्बर के तीसरे दिन से पूर्व होगी न कि उसके पश्चात् और ऐसे विवरण की एक प्रति ऐसी बैठक के पश्चात् यथासाक्ष्यौघ सदस्य को उपलब्ध कराई जाएगी।

7. सदस्यता :

अधिनियम की धारा 62 के अधीन निधि के सृजन पर

(क) प्रत्येक स्थायी कर्मचारी जिसके अन्तर्गत संवेदनारमक सेवा का कोई कर्मचारी भी है (जब तक कि संविदा में अन्यथा उपबंधित न किया जाए) और प्रत्येक स्थानान्तरित कर्मचारी निधि में अभिधाय करने के लिए भाग्य होगा;

(ख) यदि प्रशासक-समिति द्वारा ऐसा अनुज्ञात किया जाए,

(1) वह ऐसे कर्मचारी से जो किसी अन्य भविष्य-निधि में पहले से ही अभिधाय कर रहा है, भिन्न कोई अस्थायी कर्मचारी भी निधि में अभिधाय कर सकेगा ;

(2) पुनर्निर्माण बैंक से आकस्मिक पारिश्रमिक से भिन्न पारिश्रमिक प्राप्त करने वाला कोई अन्य व्यक्ति भी निधि में अभिधाय कर सकेगा;

(3) कोई ऐसा अधिकारी या कर्मचारी जो पुनर्निर्माण बैंक में प्रतिनियुक्ति पर है, और जिसको किसी अन्य नियोजक की सेवा में धारणाधिकार है, निधि में अभिधाय कर सकेगा यदि उसके नियोजन के विवरणों से ऐसा अनुज्ञात हो;

(4) पुनर्निर्माण बैंक में धारणाधिकारी रखने वाला कोई अधिकारी या कर्मचारी जो किसी अन्य सेवा में प्रतिनियुक्ति पर है, निधि में केवल तभी अभिधाय कर सकेगा जब ऐसा अधिकारी या कर्मचारी निधि में नियोजक के अभिधाय का संवाय करता है।

स्पष्टीकरण :

खण्ड (क) के प्रयोजन के लिए स्थायी पद पर परीक्षा पर नियुक्त कर्मचारी को उसकी पहली नियुक्ति की तारीख से स्थायी कर्मचारी माना जाएगा।

8. भविष्य-निधि का अन्तरण :

(1) भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण निगम लिमिटेड (भा.ओ. पुन. नि. लि.) की कर्मचारिवृत्त भविष्य-निधि में या कर्मचारी भविष्य-निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन प्रायुक्त की भविष्य-सह-कुटुम्ब पेंशन निधि में प्रत्येक स्थानान्तरित कर्मचारी के खाते में जमा अतिशेष, अधिनियम, के उपबन्धों के अनुसार निधि में ऐसे कर्मचारी के खाते में अन्तर्गत हो जाएगा।

(2) प्रशासक-समिति, कर्मचारी के अनुरोध पर उसके पूर्व नियोजक द्वारा रखे गए भविष्य निधि लेखा से और उक्त नियोजक द्वारा सीधे निधि में अन्तर्गत उसकी वेय किसी रकम को ऐसे कर्मचारी के खाते में ग्रहण कर सकेगा।

9. वेतन प्राप्ति के बकाया का जमा :

यदि वेतन का कोई बकाया पुनर्निर्माण बैंक के किसी प्रवर्ग के किसी अधिकारी या कर्मचारी को देय हो जाता है और पुनर्निर्माण बैंक द्वारा यह विनिश्चय किया जाता है कि ऐसी बकाया रकम या उसके किसी भाग को अधिकारी या कर्मचारी के खाते में जमा किया जाए तो प्रशासक-समिति पुनर्निर्माण बैंक के अनुरोध पर ऐसे अधिकारी या कर्मचारी के खाते में निम्नलिखित विकलन को ग्रहण कर सकेगी;

(क) इस प्रकार जमा की गई रकम, और

(ख) इन नियमों के अनुसार पुनर्निर्माण बैंक का अभिदाय।

10. अभिदाय की दर

(1) अभिदाय की दर किसी सदस्य द्वारा एक मास में उपाजित वेतन का 10 प्रतिशत होगी।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट अभिदाय के अतिरिक्त, कोई भी सदस्य किसी मास में उसके द्वारा उपाजित वेतन के 10 प्रतिशत से अनधिक की रकम का अभिदाय कर सकेगा, किन्तु इस प्रकार कि किसी वर्ष के दौरान उपनियम (1) और इन उपनियमों के अधीन निधि में कुल अभिदाय उसके वेतन के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

(3) ऐसा प्रत्येक सदस्य जो उपनियम (2) के अधीन निधि में अभिदाय करने की बांछा करता है, इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप 1 में सविषय-निधि में अभिदाय की दर का विनिर्देश करते हुए पुनर्निर्माण बैंक को सूचना देगा।

(4) उपनियम (1) और उपनियम (2) में निर्दिष्ट अभिदाय की कटौती निकटतम रूप में संगणित रकम से किसी अधिकारी या कर्मचारी के मासिक वेतन से पुनर्निर्माण बैंक द्वारा की जाएगी।

11. पुनर्निर्माण बैंक का अभिदाय :

पुनर्निर्माण बैंक प्रतिमास कर्मचारी के अभिदाय के रूप में प्रत्येक सदस्य द्वारा अभिदाय की गई रकम के बराबर धनराशि का अभिदाय करेगा किन्तु वह किसी भी दशा में उस मास के दौरान उस सदस्य द्वारा उपाजित वेतन का 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

परन्तु ऐसे किसी सदस्य की बाबत जिसे नियम 7 के उपखण्ड (2) के खण्ड (ख) के अधीन अभिदाय करने के लिए अनुज्ञात किया गया है, पुनर्निर्माण बैंक ऐसा अभिदाय करने के लिए केवल तभी बायी होगा जब ऐसे अधिकारी की सेवा-शर्तों में ऐसा उपबन्धित हो।

परन्तु यह और कि जहाँ कोई अस्थायी कर्मचारी नियम 7 के खण्ड (ख) के उपखण्ड (1) के अधीन निधि में अभिदाय करने के लिए अनुज्ञात किया गया हो वहाँ पुनर्निर्माण बैंक, अपने स्वविवेकानुसार अस्थायी कर्मचारी के रूप में उसकी नियुक्ति की तारीख से उसके वेतन के अधिक से अधिक 10 प्रतिशत के अधीन रहते हुए उसकी अस्थायी सेवा के दौरान उसके द्वारा अभिदाय की गई रकम के बराबर धनराशि का अभिदाय कर सकेगा।

12. अध्यक्ष द्वारा अभिदाय

नियम 11 में किसी बात के होते हुए भी, जहाँ अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (5) के अधीन अवधारित अध्यक्ष के पद के निबन्धनों में निधि में या किसी अन्य सविषय निधि में उसके अभिदाय करने का उपबन्ध किया गया हो वहाँ पुनर्निर्माण बैंक, ऐसी तारीख से जो सेवा के ऐसे निबन्धनों के अधीन लागू हो, निधि में या किसी अन्य सविषय-निधि में प्रत्येक मास उसके जेबे में, ऐसी धनराशि, यदि कोई हो, जो सेवा के उक्त निबन्धनों में उपबन्धित की जाए, अभिदाय करेगा।

13. ब्याज :

(1) पुनर्निर्माण बैंक प्रत्येक छमाही के अन्त में प्रत्येक सदस्य के खाते में जमा रकम पर ब्याज ऐसा दर पर जमा करेगा जो पुनर्निर्माण बैंक द्वारा ऐसी विवरणों को ध्यान में रखते हुए नियत की जाएगी जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त बनाए गए नियमों, विनियमों या दिए गए निर्देशों के अनुसार अन्य सविषय पूर्व धार्मिक और न्यास तथा अर्थ-न्यास निधि के विनिधान पर अस्मितापत्त किया जा सकता है, किन्तु ब्याज की दर रिजर्व बैंक द्वारा अपने कर्मचारों सविषय निधि की बाबत अनुज्ञात दर से कम नहीं होगी।

(2) उपनियम (1) के अधीन देय ब्याज प्रत्येक सदस्य के लेखा-के मासिक उपाजन पर निकटतम रूप तक संगणित किया जाएगा और हर छमाही 31 मार्च और 30 दिसम्बर को लेखा में जमा किया जाएगा।

14. प्रत्येक सदस्य के लेखाओं का वार्षिक विवरण :

प्रशासक-समिति सदस्य के खाते में जमा रकम दर्शाने वाला एक वार्षिक विवरण तैयार करेगी और उस प्राप्य का विवरण वर्ष की समाप्ति के पश्चात् यथा सम्बन्धी प्रत्येक सदस्य को उपलब्ध कराया जाएगा।

15. निधि से उधार लेना :

प्रशासक-समिति को आवश्यक किए जाने पर निधि में सदस्य के खाते में जमा रकम से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए किसी सदस्य को अस्थायी अग्रिम मंजूर किया जा सकेगा, अर्थात्:—

(क) प्रशासक समिति का यह समाधान हो जाता है कि रकम का निम्नलिखित उद्देश्यों में से किसी के लिए उपयोग किया जाएगा :

(1) बीमारी, प्रसवावस्था या निशक्ताता के संबन्ध में व्ययों का संवाय करना जिनके अंतर्गत, जहाँ आवश्यक हो, वहाँ सदस्य या उस पर आश्रित किसी व्यक्ति के यात्रा व्यय भी है,

(2) उच्च शिक्षा के व्यय की पूर्ति करना, जिसके अन्तर्गत जहाँ आवश्यक हो, निम्नलिखित मामलों में किसी सदस्य के या उस पर आश्रित किसी व्यक्ति के यात्रा व्यय भी है, अर्थात्:—

(क) उच्च विद्यालय प्रक्रम से परे शैक्षिक, तकनीकी, वृत्तिक या व्यवसायिक पाठ्यक्रम के लिए भारत से बाहर शिक्षा के लिए; और

(ख) किसी मान्यताप्राप्त संस्था द्वारा संचालित उच्च विद्यालय स्तर से परे भारत में कोई चिकित्सीय, इंजीनियरी, वृत्तिक या अन्य तकनीकी या विशिष्ट व्यावसायिक पाठ्यक्रम (जो 3 मास की अवधि से कम का न हो) के लिए;

(3) ऐसे बाध्यकर व्ययों का संवाय करना जिनको सविज्ञान प्रथा द्वारा सदस्य को स्वयं के या अपने बालकों के या उस पर आश्रित किसी अन्य व्यक्ति के वैवाहिक या अन्य समारोहों के संबन्ध में उपगत करने होते हैं।

(4) किसी सदस्य द्वारा उसके पदीय कर्तव्य के निबहन में किए गए या किए जाने के लिए तारपयित किसी कार्य के संबन्ध में उसके विरुद्ध किए गए किसी अभिकथन की बाबत अपनी स्थिति की बहाली के लिए सदस्य द्वारा संस्थित विधिक कार्यवाहियों के व्ययों की पूर्ति करना।

परन्तु यह तब जबकि इस खण्ड के अधीन अग्रिम ऐसे किसी सदस्य को अनुज्ञेय नहीं होगा जो किसी ऐसे मामले के संबन्ध में जो उसके पदीय कर्तव्य से सम्बन्धित न हो या पुनर्निर्माण बैंक के विरुद्ध किसी न्यायालय में विधिक कार्यवाहियां सम्पन्न करता है ;

(5) जहाँ पुनर्निर्माण बैंक द्वारा किसी सदस्य को किसी न्यायालय में अभियोजित किया जाए जहाँ वहाँ उसके प्रतिवाद के व्यय की पूर्ति करना;

(6) किसी ऐसे अन्य व्यय या व्ययिता की पूर्ति करना, जो प्रशासक समिति की राय में अकल्पित या प्रसाधारण है और सदस्य के मामूली साधनों से अधिक है।

(ब) इस नियम के अधीन अधिम,—

(1) मामूली तौर पर छह मास के वेतन या निधि में सदस्य के अपने अधिदाय की रकम और उस पर ब्याज से, इन दोनों में से जो भी कम हो, अधिक नहीं होगा, या

(2) तब तक संजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि पूर्व अधिम का प्रतिबंधाव न कर दिया गया हो;

(4) जहाँ अधिम प्रसवावस्था शीर्ष के अधीन प्रसूति के संबंध में हो,

वहाँ वह दो प्रसूतियों से अधिक के लिए संजूर नहीं किया जाएगा :

परन्तु प्रशासक-समिति विशेष मामलों में लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से किसी सदस्य के छह मास के वेतन से अधिक का अधिम संजूर कर सकेगी।

(ग) (क) सदस्य से अधिम की वसूली उतनी समान मासिक किस्तों में की जाएगी जितनी प्रशासक समिति निर्देशित करे किन्तु किस्तों की संख्या 12 से कम नहीं होगी जब तक कि सदस्य ने ऐसा चयन न किया हो, अथवा 24 से अधिक नहीं होगी :

परन्तु विशेष मामलों में जहाँ संजूर की गई अधिम की रकम छठ (ब) के परन्तुक के अधीन सदस्य के छह मास के वेतन से अधिक है, वहाँ पुनर्निर्माण बैंक 24 से अधिक किन्तु किसी भी दशा में 48 से अधिक किस्तों की संख्या नियत कर सकेगा, और सदस्य अपने विकल्प के अनुसार एक मास में एक से अधिक किस्तों का प्रतिसंधा कर सकेगा। प्रत्येक किस्त पर रुपये का गुणज होगी, अधिम की रकम को ऐसी किस्तों को नियत करने के लिए आवश्यकतानुसार बढ़ाया या कटाया जाएगा।

(ख) वसूलियाँ उस मास के जिसमें अधिम का संवाय किया जाता है, अगले मास के वेतन से कटौती के रूप में प्रारम्भ होगी। वसूलियाँ जीवन निर्वाह अनुदान या भत्ते में से तब नहीं की जाएगी जब सदस्य निःसम्बन्धधीन हो ;

(ग) इस उपनियम के अधीन वसूलियाँ निधि में सदस्य के खाते में जमा कर दी जाएगी।

16. आवास वास सुविधा के लिए अधिम—

(1) ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो प्रशासक-समिति अधिरोपित करे, किसी सदस्य को सहकारी आवास सोसायटी में शेरर को खरीदने के प्रयोजन के लिए या अधिम धन के रूप में या अन्यथा धन का निक्षेप या संवाय करने के लिए प्रयोजनों के लिए, प्रत्येक मामले में अपने निवास गृह या उस पर आश्रित किसी व्यक्ति का निवास के लिए परिसर प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य से, निधि से उसके खाते में जमा रकम से अधिम संजूर किया जा सकेगा।

(2) इस नियम के अधीन अधिम सदस्य की सेवा के दौरान केवल एक बार अनुज्ञात किया जाएगा और निधि में सदस्य के अधिदाय और उस पर ब्याज की रकम से या उस प्रयोजन के लिए जिसके लिए अधिम के हेतु आवेदन किया गया है, वस्तुतः अपेक्षित रकम से, इनमें से जो भी कम हो, अधिक नहीं होगा।

(3) इस नियम के अधीन अधिम की वसूली ऐसी रकम की उतनी मासिक किस्तों में ऐसे समयों पर की जाएगी जो प्रशासक-समिति निर्देशित करे। सदस्य अपने विकल्प के अनुसार एक मास में एक से अधिक किस्तों का प्रति संवाय कर सकेगा।

17. बीमा पालिसी—

(1) पुनर्निर्माण बैंक द्वारा चालू की गई या अनुमोदित बीमा स्कीम के अधीन की गई किसी सदस्य की जीवन बीमा पालिसी मद्दे संदायों की पूर्ति करने के लिए धनराशि निधि में किया गया अधिदायों से विधार्जित

की जा सकेगी या सदस्य द्वारा उसमें अधिदाय की गई रकम से (जिसके अन्तर्गत उस पर दिया गया ब्याज भी है) वापस निकाली जा सकेगी। अधिदाय से इस प्रकार विधार्जित कोई धनराशि नियम 11 के अधीन पुनर्निर्माण बैंक के अधिदाय की संगणना करने के प्रयोजन के लिए अधिदाय का भाग मानी जाएगी।

(2) जहाँ निधि में अधिदायों से धनराशि विधार्जित की जाती है या उपनियम (1) के अधीन किसी सदस्य द्वारा उसमें अधिदाय की गई रकमों से वापस निकाली जाती है वहाँ बीमा पालिसी जिसके संबंध में धनराशि विधार्जित की गई है या वापस निकाली गई है, ऐसी पालिसी पर प्रीमियम के संदाय के प्रतिफलस्वरूप और ऐसे निबंधनों और शर्तों पर जो बीमाकर्ता से पुनर्निर्माण बैंक द्वारा वसूलीय रकम, यदि कोई हो, की श्रावत अधिरोपित करे, पुनर्निर्माण बैंक को समनुदेशित की जाएगी।

18. ब्याज प्रोद्भूत होना कब बंद होता है—

किसी सदस्य के नाम में सभी धनराशियों पर ब्याज निम्नलिखित से छह मास की अवधि की समाप्ति पर प्रोद्भूत होना बंद हो जाएगा—

(क) वह दिन जिसको वह पुनर्निर्माण बैंक की सेवा छोड़ देता है, या

(ख) वह दिन जिसको छुट्टी की अवधि प्रारम्भ होती है, वहाँ वह छुट्टी की किसी अवधि की समाप्ति पर पुनर्निर्माण बैंक की सेवा छोड़ देता है, जो उस तारीख को या उसके पश्चात् प्रारम्भ होगी जिसको वह पुनर्निर्माण बैंक की सेवा से तब सेवानिवृत्ति हो जाता यदि उसने ऐसी छुट्टी न ली होती, या ऐसी छुट्टी की अवधि के दौरान उसकी मृत्यु हो जाती है,

(ग) उसकी मृत्यु की तारीख जब उसकी मृत्यु खंड (ख) में निर्दिष्ट परिस्थितियों से भिन्न परिस्थितियों में पुनर्निर्माण बैंक की सेवा में होती है :

परन्तु यह तब जब कि यदि छह मास की उक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व किसी भी मामले में,

(1) सदस्य या उसका नामनिर्देशित या विधिक प्रतिनिधि उक्त धनराशि या उसके किसी भाग के संबितरण के लिए आवेदन करता है, या

(2) उक्त धनराशि या उसके किसी भाग का किसी न्यायालय या अधिकरण के आदेश के अधीन संदाय कर दिया जाता है,

उस तारीख से जिसको उक्त धनराशि या उसका कोई भाग, यथास्थिति ऐसे न्यायालय या प्राधिकरण के आदेश के अधीन संबितरित या संवाय किए जाने के लिए प्राधिकृत किया जाता है, यथास्थिति, उक्त धनराशि या उसके भाग पर ब्याज प्रोद्भूत होना बंद हो जाएगा।

परन्तु यह और कि प्रशासक समिति एक वर्ष से अधिक की ऐसी और अवधि के लिए किसी सदस्य के नाम में जमा धनराशि पर ब्याज अनुज्ञात कर सकेगी यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे सदस्य या उसके नाम निर्देशित या नाम निर्देशितियों या विधिक प्रतिनिधियों को ऐसी धनराशि का अधिदाय सदस्य के या उसके नामनिर्देशित या नाम निर्देशितियों या विधिक प्रतिनिधियों के किसी व्यक्तिक्रम या उसकी/उनकी ओर से की गई किसी गलती के कारण नहीं हैं।

19. सदस्य के नाम में जमा रकम का संवाय :

(1) किसी सदस्य के नाम में जमा धनराशि उसकी सेवा के पूर्व-वसान पर या उसकी मृत्यु पर उसको या उसके नाम निर्देशितियों या विधिक प्रतिनिधियों को देय हो जाएगी :

परन्तु सदस्य सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर, अपने विकल्प के अनुसार निधि में अपने नाम में जमा धनराशि से अपने अधिदाय और उस पर ब्याज से अधिक रकम वापस निकाल सकेगा।

परन्तु यह और कि सदस्य, 20 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् किसी समय या अपनी सेवानिवृत्ति की ठीक पूर्ववर्ती तारीख 10 वर्ष के बोरन, या उसकी विनिश्चित परावधि की समाप्ति की तारीख पर, निधि में अपने नाम में जमा धनराशि से, ऐसी रकम तक जो निम्न 20 में विनिश्चित हो, किसी भी प्रयोजन के लिए और उपनियम (2) के उपनियम (3) और उपनियम (4) में संविष्ट डाकबंदी के अधीन रहते हुए प्रशासनिक समिति द्वारा रकम वापस निकालने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

परन्तु यह भी कि यदि प्रशासनिक-समिति ऐसा निर्देश दे तो किसी सदस्य के नाम में जमा धनराशि में निम्नलिखित की कटौती की जाएगी और पुनर्निर्माण बैंक में संदत्त की जाएगी—

- (क) पुनर्निर्माण बैंक के किसी सदस्य द्वारा उत्पन्न दायित्व के अधीन देय कोई रकम जिसके अंतर्गत गबन, दुरुनियोजन, कपट, धोरे उपेक्षा है, उसके खाते में पुनर्निर्माण बैंक द्वारा अभिदाय की गई कुल रकम तक जिसके अंतर्गत उसके संबंध में जमा किया गया व्याज भी है; या
- (ख) जहाँ सदस्य का कवाचार या धोरे उपेक्षा के कारण पदच्युत कर दिया गया है या मेरौन्मुक्त कर दिया गया या जहाँ सदस्य ने पुनर्निर्माण बैंक में अपनी निरंतर सेवा के जिसके अंतर्गत अस्थायी सेवा भी है, प्रारंभ के पांच वर्ष के भीतर अपने नियोजन से त्यागपत्र भी दिया है तो ऐसे अभिदाय की पूरी अपनी रकम या उसका कोई भाग उसके संबंध में जमा किए गए व्याज सहित।

स्पष्टीकरण: 20 वर्ष की सेवा की संगणना करने के लिए, निम्न या किसी अन्य स्थापन में जिसका कोई मान्यताप्राप्त भविष्य निधि लेखा है, स्थानान्तरित कर्मचारी द्वारा की गई सेवा को जिसका वह सदस्य था, हिसाब में लिया जाएगा।

(2) ऐसे निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए जो पुनर्निर्माण बैंक द्वारा अधिरोपित की जाएं, उपनियम (1) के दूसरे परन्तुक के अधीन रकम निम्नलिखित के लिए वापस निकाली जा सकेगी।

- (क) शिक्षा के व्यय की पूर्ति के लिए, जिसके अंतर्गत यह आवश्यक हो, उस पर निम्नलिखित मामलों में उस पर आश्रित सदस्य के किसी बालक के यात्रा व्यय भी है, अर्थात्:—
 - (i) उच्च विद्यालय स्तर से परे शैक्षिक, तकनीकी, वृत्तिक या व्यावसायिक पाठ्य-क्रम चालू रखने के लिए भारत से बाहर शिक्षा के लिए; और
 - (ii) किसी मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा संचालित उच्च विद्यालय स्तर से परे भारत में कोई शैक्षिक, इंजीनियरी या अन्य तकनीकी, वृत्तिक या विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम जो तीन मास की अवधि से कम का न हो के लिए;
- (ख) सदस्य, उसके पुत्र या पुत्री या उस पर वारस में आश्रित किसी अन्य महिला रिश्तेदार के विवाह के संबंध में व्यय की पूर्ति;
- (ग) बीमारी, जिसके अंतर्गत जहाँ आवश्यक हो, सदस्य की या वास्तव में उस पर आश्रित किसी व्यक्ति के यात्रा व्यय भी है, संबंध में व्ययों की पूर्ति;
- (घ) गृह का या गृह के लिए लिए जगह का क्रेय किया जाना;
- (ङ) सदस्य या सदस्य के पति या पत्नी की भूमि के प्लाट पर गृह निर्माण जहाँ ऐसा पति या पत्नी सदस्य का नाम निर्देशनी है और ऐसा नाम निर्देशन रकम वापस निकालने के आवेदन की तारीख को विश्रुत है।

- (च) भवन, क्रेय करने के लिए लिए गए उधार का प्रशिक्षदाय (जिस के अंतर्गत ऐसे गृह पर या क्रेय किए गए स्थल या बनाए गए गृह पर, प्राप्त किए गए ऐसे उधार है)
- (छ) ऐसे गृह में जो पहले ही किसी सदस्य के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा अजित किया गया है या ऐसे पुरक गृह है जिसमें सदस्य का उसका मातृ स्वीय विधि के अधीन हित है, पुनर्निर्माण या परिवर्तन या परिवर्द्धन करना।

स्पष्टीकरण: इस उपनियम के प्रयोजन के लिए,

- (क) "गृह" के अंतर्गत सभी प्रकार के निवासिय एकक है,
- (ख) "गृह या क्रेय" के अंतर्गत निम्नलिखित हैं:—
 - (i) किसी सरकारी अथवा मानाहटी के सदस्य के रूप में, मानाहटी में शेरों के क्रेय द्वारा या मानाहटी के पास धनराशि का निवेश कर के मानाहटी द्वारा आवंटित निवासिय वाम-गुविधा का अर्जन, और
 - (ii) तत्पश्चात् प्रदत्त किसी विधि के अधीन गठित या स्थापित किसी प्रावाम बोर्ड, नगर सुधार न्यास या जैसे ही अन्य प्राधिकरण ने अशक्य आधार पर निवासिय गृह या परिमर्ग का क्रेय;

परन्तु खंड (घ), (ङ) (च) और खंड (छ) के अधीन रकम की बापसी निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात होगी, अर्थात्:—

- (क) क्रेय किया गया या बनाया गया गृह या स्वतः स्वयं सदस्य के लिए होना चाहिए।
- (ख) गृह या स्वतः उक्त स्थान पर जहाँ सदस्य कार्य कर रहा है या उस स्थान पर होना चाहिए जिसे उसके द्वारा लिखित रूप में भारत में उस स्थान के रूप में शामिल किया जाना, जहाँ वह सेवानिवृत्ति के पश्चात् निवास करना चाहता है।
- (ग) वापस निकालने के लिए अनुज्ञात रकम उस प्रयोजन के लिए जिसके लिए रकम वापस निकालना अनुज्ञात है, अपेक्षित रकम से अधिक नहीं होगी, उस रकम से अधिक निकाली गई रकम का जो वास्तव में अपेक्षित है, तुरंत प्रतिदाय किया जाएगा।
- (घ) यदि पुनर्निर्माण बैंक द्वारा ऐसा अपेक्षित हो तो सदस्य ऐसी रीति में जो वह विनिश्चित करे,।

निम्नलिखित बातों के बारे में समाधान करेगा, अर्थात्:—

- (1) यह कि वह रकम जो निकाली जानी है या निकालने के लिए अनुज्ञात है, वास्तव में उस प्रयोजन के लिए अपेक्षित है जिसके लिए रकम निकाली जानी है या निकालने के लिए अनुज्ञात की गई है और यह कि उसके ऐसे प्राप्ति के लिए उपायवा किया गया है;
- (2) यह कि वह रकम जो निकाली जानी है या निकालने के लिए अनुज्ञात है, सदस्य को उपलब्ध किसी खाते में, यदि कोई हो, सहित, उस प्रयोजन के लिए पर्याप्त है जिसके लिए रकम निकाली जानी है या निकालने के लिए अनुज्ञात है;
- (3) यह कि सदस्य ने स्थल या गृह के लिए पैसा प्राप्त कर लिया है या अभिप्राप्त कर लेगा या जहाँ सदस्य के पति या पत्नी के स्थल पर सन्निवेश किया जाना है वह उसने गृह के स्थल का वैध हक अभिप्राप्त किया है या कर लेगा;
- (4) यह कि सदस्य ने गृह निर्माण के लिए सभी आवश्यक अनुज्ञा और अनुमोदन प्राप्त कर लिए हैं या कर लेगा और सदस्य ऐसी अशक्यता का पालन करेगा।

(क) जहाँ रकम गृह के निर्माण के लिए निकाली गई है वहाँ ऐसे भवन का निर्माण उस तारीख से जिसकी सदस्य निकाली गई रकम या उसके किसी भाग को प्राप्त करता है, छह मास की या ऐसी दीर्घतर अवधि की समाप्ति के पूर्व जो प्रशासक-समिति अनुज्ञात करे, प्रारंभ होगा और 18 मास या ऐसी दीर्घतर अवधि की समाप्ति के पूर्व जो प्रशासक-समिति अनुज्ञात करे, पूरा हो जाएगा;

(ख) जहाँ रकम किसी उधार के प्रतिशोध के लिए निकाली गई है, वहाँ ऐसा प्रतिशोध उस तारीख से जिसकी सदस्य निकाली गई रकम या उसका कोई भाग अभिप्राप्त करता है, तीन मास के भीतर किया जाएगा;

(छ) जहाँ रकम गृह के निर्माण के प्रयोजन के लिए निकाली गई है, वहाँ निकाली जाने के लिए अनुज्ञात रकम का संशय उतनी किस्तों में और ऐसे समय या समयों पर किया जाएगा जो प्रशासक-समिति भवन निर्माण में की गई प्रगति को ध्यान में रखते हुए अवधारित करे;

(ज) सदस्य, प्रशासक-समिति की पूर्व लिखित अनुज्ञा के बिना स्थान या गृह को अंतरित नहीं करेगा, बंधक नहीं रखेगा या अन्यथा उसको अन्य संक्रांत नहीं करेगा, जिसका व्यतिक्रम होने पर सदस्य निकाली गई पूरी रकम का एक किस्त में प्रतिशोध करने का बायी होगा।

(i) जहाँ कोई सदस्य/खंड (छ) के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के अंतर्गत आता है, वहाँ वह पुनर्निर्माण बैंक का यह भी समाधान करेगा कि उतने मजदूर सहकारी आवास सोसाइटी में गैरों का हक प्राप्त कर लिया है या सोसाइटी के पास धनराशि के निवेश को माधियत करने वाले दस्तावेज अभिप्राप्त कर लिए हैं या यह कि उसने अवक्रम आधार पर कप किए गए या अन्यथा तत्समय-प्रयुक्त किसी विधि के अधीन गठित या स्थापित किसी आवास बोर्ड, नगर सुधार न्यास या अन्य वैसे ही प्राधिकरण से निवासीय गृह या परिसर के अपने अधिकार को साधन करने वाले दस्तावेज प्राप्त कर लिए हैं;

20. कुछ मामलों में रकम निकालने की सीमा:

(1) नियम 19 के उपनियम (2) के खंड (क), खंड (ख), खंड (ग) और खंड (घ) में विनिर्दिष्ट एक या अधिक प्रयोजनों के लिए किसी सदस्य द्वारा किसी एक समय पर निकाली गई रकम उसके अपने अभिधाय और उस पर ब्याज या छह माह के वेतन, इनमें से जो भी कम हो, के आधा से अधिक नहीं होगी:

परन्तु प्रशासक-समिति निधि में सदस्य के अभिधाय और उस पर ब्याज के तीन चौथाई तक इस उपनियम में विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक रकम को निम्नलिखित धातों का ध्यान में रखते हुए निकालने की मंजूरी देसकेगी—

(क) वह उद्देश्य जिसके लिए रकम निकाली जा रही है;

(ख) सदस्य की प्रार्षित्व;

(ग) उसके अपने अभिधाय और निधि में उस पर ब्याज की रकम।

(2) नियम 19 के उपनियम (2) के खंड (घ), खंड (ङ) और खंड (च) के अधीन किसी सदस्य द्वारा निकाली गई रकम उसके अपने अभिधाय और उस पर ब्याज से अधिक नहीं होगी।

(3) वह सदस्य जिसे नियम 19 के उपनियम (2) के अधीन निधि से रकम वापस निकालने के लिए अनुज्ञात हो गया है, ऐसा अवधि के भीतर जो शासक-समिति द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, प्रशासक समिति का यह

समाधान करेगा कि रकम का उपयोग उस प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए वह निकाली गई थी, और यदि वह ऐसा करे तो प्रत्यक्ष रहता है तो इस प्रकार निकाली गई पूर्ण धनराशि या उसका ऐसा भाग जिसका उपयोग उस प्रयोजन के लिए नहीं किया गया है, जिसके लिए वह निकाली गई थी, नियम 13 के अधीन अवधारित दर पर उस पर ब्याज सहित सदस्य द्वारा तुरंत एकमुश्त रूप में निधि में प्रतिशोध किया जाएगा और ऐसे संवाय के व्यतिक्रम में वह रकम उक्त समिति द्वारा या तो एकमुश्त रूप में या उतनी मासिक किस्तों जो उसके द्वारा अवधारित की जाए, उनकी उपलब्धियों में वसूल की जाएगी।

21. अधिम का रकम वापस निकालने में संपरिवर्तन:

ऐसा कोई सदस्य जिसे नियम 15 या नियम 16 के अधीन उसमें विनिर्दिष्ट किसी प्रयोजन के लिए अधिम मंजूर किया गया है, प्रशासक-समिति द्वारा ऐसे अधिम के भव बकाया अवशेष को उक्त नियम में अधिकृत शर्तों के उन द्वारा पूरा किए जाने पर नियम 19 के अधीन रकम वापस निकालने में संपरिवर्तित करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा:

22. नामनिर्देशन:

(1) प्रत्येक सदस्य इन नियमों से उपाखंड प्ररूप 2 में धारा कुटुंब के एक या अधिक सदस्यों को नामनिर्देशित करेगा जिसकी या जिनकी निधि में उसके खाते में जमा रकम उसकी मृत्यु की वया में देय होगी।

(2) ऐसा कोई सदस्य जिसका कोई कुटुंब नहीं है, इन नियमों से उपाखंड प्ररूप 3 में किसी व्यक्ति को नामनिर्देशित करेगा जो केवल उस समय तक विधिमार्ग होगा जब तक सदस्य का कोई कुटुंब नहीं है और यदि वह सदस्य तत्पश्चात कोई कुटुंब अर्जित कर लेता है तो वह प्ररूप 2 में कुटुंब के किसी सदस्य को नामनिर्देशित करेगा:

परन्तु स्थानांतरित कर्मचारी द्वारा भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण निगम लिमिटेड कर्मचारियुक्त भविष्य निधि नियमों के अधीन या कर्मचारी भविष्य निधि, और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 या उसके अधीन किसी रकम के अधीन किया गया कोई नामनिर्देशन इस नियम के अधीन नामनिर्देशन माना जाएगा।

(3) नामनिर्देशन सदस्य द्वारा लिखित सूचना देकर रदव ता उपान्वित किया जा सकेगा।

23. कुछ मामलों में आश्रितों के नामनिर्देशन—

नियम 22 में किसी बात के होते हुए भी, किसी ऐसे सदस्य को इन नियमों उपाखंड प्ररूप 4 में नामनिर्देशन करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा जो भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 2 के खंड (ग) में यथा परिभाषित आश्रित है यदि प्रशासक समिति का समाधान हो जाता है कि उक्त नियमों के अनुसार नामनिर्देशन का प्रतिस्थापन करने से असम्भव कठिनाई होगी या वह न्यायसंगत और साम्यापूर्ण नहीं होगा।

24. सदस्य की मृत्यु पर संवाय:

सदस्य की मृत्यु पर—

(1) जब सदस्य कोई कुटुंब छोड़ता है—

(क) यदि नियम 22 के अधीन सदस्य द्वारा किया गया कोई नामनिर्देशन विद्यमान है तो निधि में उसके खाते में जमा रकम या उसका ऐसा कोई भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित है, नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट अनुपात में नाम निर्देशित या नामनिर्देशितियों की देय हो जाएगी—

(ख) यदि ऐसा कोई नामनिर्देशन विद्यमान नहीं है या यदि ऐसा नामनिर्देशन केवल निधि में उसके खाते में जमा रकम के किसी भाग से संबंधित है तो पूर्ण रकम या यथास्थिति, उसका वह भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित नहीं है, ऐसे किसी नामनिर्देशन के होने हुए भी जो उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य या सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति के पक्ष में होने के लिए तत्समिति है, उसके कुटुम्ब के सदस्यों को समान शर्तों में देय हो जाएगी।

(2) जब कोई सदस्य कुटुंब नहीं छोड़ता है—

(क) यदि सदस्य द्वारा किसी ऐसे व्यक्ति के पक्ष में किया गया नामनिर्देशन जो भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 2 के खंड (ग) में यथा परिभाषित सदस्य का आश्रित है, विद्यमान है तो निधि में उसके खाते में जमा रकम या यथास्थिति उसका वह भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित है, नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट अनुपात में उसके नामनिर्देशिनी या नामनिर्देशिनीयों को देय हो जाएगी;

(ख) यदि ऐसा नामनिर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में है जो भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 2 के खंड (ग) में यथा परिभाषित आश्रित नहीं है तो निधि में उसके खाते में जमा रकम या यथास्थिति उसका वह भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित

है, ऐसे नामनिर्देशिनी को देय हो जाएगी, यदि रकम पांच हजार रुपए से अधिक नहीं है;

(ग) यदि ऐसा कोई नामनिर्देशन विद्यमान नहीं है, या यदि ऐसा नामनिर्देशन वल निधि में सदस्य के खाते में जमा रकम के भाग से संबंधित है, तो पूरी रकम या यथास्थिति, उसका ऐसा भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित नहीं है, प्रशासक-समिति में उपस्थित होने वाले किसी व्यक्ति को देय हो जाएगी जो इसे अग्रगण्य प्राप्त करने के लिए हकदार है, यदि पूर्ण धनराशि या यथास्थिति, उसका कोई भाग पांच हजार रुपए से अधिक नहीं है;

(3) ऐसी कोई धनराशि या उसका कोई भाग जो उपनियम (2) के उपखंड (क), उपखंड (ख) और उपखंड (ग) के अधीन किसी व्यक्ति को देय नहीं है, किसी व्यक्ति को प्रोबेट या प्रशासन पत्र प्रस्तुत करने पर जिससे भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 4 के खंड (ग) के अनुसार मृतक की संपदा के प्रशासन या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र की उसे दी गई मंजूरी प्राप्त होती हो, प्रस्तुत किए जाने पर देय हो जाएगी।

25. प्रत्येक कर्मचारी निधि का सदस्य बन जाने पर दल नियमों से उपखंड प्ररूप 5 में एक घोषणा निष्पादित करेगा।

[सं. 1(3)/88-आई एक-2]

एम. सी. मय्यवादी, संयुक्त सचिव

आईआरबी आई ई पी एफ

भविष्य निधि प्रारूप ।

अतिरिक्त अभिधानों की दर नियत करने वाला प्ररूप नियम 10(3)

स्थान

तारीख

प्रबंधक,

भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक,

श्रीमानजी,

मैं यह अनुरोध करता हूँ कि भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि नियम, 1988 के नियम 10 के उपनियम (3) के अनुसार मेरे वेतन के प्रतिशत की प्रतिमास भविष्य निधि में मेरे स्वैच्छिक अतिरिक्त अभिवाय के रूप में कटौती की जाए, ऐसी पहली कटौती 1988 के मास के मेरे वेतन से की जाए।

भवदीय,

.....
(हस्ताक्षर)

पदाभिधान

शैक सं.

आई आर बी आई बी पी एफ

भविष्य निधि प्ररूप 2

नामनिर्देशन का प्ररूप जब अभिदाता का कोई कुटुम्ब है ।

नियम 22(i)

सूचक सं.

नाम

स्थान

तारीख

भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि प्रशासक

श्रीमान जी,

मैं यह निदेश देता हूं कि भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि से मेरी मृत्यु के समय मुझे देय रकम नीचे वर्णित मेरे कुटुम्ब के सदस्यों में उनके नाम के सामने दक्षित रीति में वितरित की जाएगी :

नामनिर्देशितों या नामनिर्देशितियों के नाम और पता	अभिदाता से संबंध	नामनिर्देशितों या नामनिर्देशितियों की आयु	संख्याओं की रकम या शेयर
1	2	3	4

भवदीय,

(हस्ताक्षर)

साक्षी

1.

पदाभिधान

पता

अभिदाता के हस्ताक्षर मेरे द्वारा सत्यापित

प्रबंधक

2.

पदाभिधान

पता

टिप्पण—स्तंभ 4 इस प्रकार भरा जाएगा जिसमें कि पूरी जमा रकम को दर्शाया जा सके।

आई आर बी आई ई ईपी

भविष्य निधि प्ररूप 3

नामनिर्देशन का प्ररूप जब अभिदाता का कोई कुटुम्ब नहीं है।

नियम 22(2)

सूचक सं.

नाम

स्थान

तारीख

भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि प्रशासक

श्रीमान जी,

मैं घोषित करता हूं कि मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यह निदेश देता हूं कि भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि से मेरी मृत्यु के समय मुझे देय रकम, मेरा कोई कुटुम्ब न होने की दशा में, नीचे वर्णित व्यक्तियों में उनके नामों के सामने दक्षित रीति में वितरित की जाएगी ।

नामनिर्देशितों या नामनिर्देशितियों के नाम और पता	अभिदाता से संबंध, यदि कोई हो	नामनिर्देशितों की आयु	संख्याओं की रकम या शेयर
(1)	(2)	(3)	(4)

साक्षी

भवदीय

1.

पदाभिधान

पता

(हस्ताक्षर)

2.

पदाभिधान

पता

अभिदाता के हस्ताक्षर मेरे द्वारा सत्यापित किए गए ।

प्रबंधक

टिप्पण : स्तंभ 4 इस प्रकार भरा जाएगा जिसमें कि पूरी जमा रकम दर्शायी जा सके। स्तंभ 3 तब लागू होगा जब नामनिर्देशितों प्रकृत व्यक्ति है, अन्यथा नहीं।

आई आर बी आई ई प

भविष्य निधि प्रकरण 4

नामनिर्देशन प्रकरण तब पूरा किया जाएगा जब प्रतिज्ञाता का कोई कुटुम्ब न हो कि वह नियम 23 के आधार पर किसी आश्रित को नामनिर्देशित करना चाहता हो।

सूचक सं.
नाम
स्थान
तारीख

भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि प्रशासक

श्रीमान जी,

म यह निवेश देता हूँ कि भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि से मेरी मृत्यु के समय मुझे देय रकम नीचे वर्णित मेरे आश्रितों में उनके नाम के सामने दर्शित रीति में वितरित की जाएगी :

नामनिर्देशित या नामनिर्देशितियों प्रतिज्ञाता से संबंध	नामनिर्देशित की आयु	संवयनों की रकम या शेर	आश्रितों को नामनिर्देशित करने के कारण जब प्रतिज्ञाता का कुटुम्ब है।
1	2	3	4
			5

महशय,

(हस्ताक्षर)

साक्षी

1. परामर्शदाता

पता

2. परामर्शदाता

पता

प्रतिज्ञाता के हस्ताक्षर मेरे द्वारा सत्यापित किए गए।

दिए गए स्तंभ 4 इस प्रकार भरा जाएगा जिससे कि जमा की गई पूरी रकम वितरित हो सके।

प्रकरण 5
भविष्य निधि प्रकरण 5

करार का प्रकरण
(नियम 25)

स्थापित
तारीख

भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक, कर्मचारी भविष्य निधि प्रशासक
श्रीमान जी,

मैं यह घोषित करता हूँ कि मैं भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कर्मचारी भविष्य निधि नियम, 1988 पढे हैं और उन्हें समझ लिया है और मैं प्रतिबद्ध करता हूँ और उक्त नियमों से आवद्ध होने का करार करता हूँ।

नाम (पूरा नाम)

जन्म तिथि

नियुक्ति की प्रकृति

प्रतिज्ञाता के पुत्र

महशय,

(हस्ताक्षर)

सूचक सं.

साक्षी

(हस्ताक्षर)

परामर्शदाता

पता

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

(Banking Division)

New Delhi, the 12th October, 1988

NOTIFICATION

S. O. 941 (E).—In exercise of the powers conferred by section 68 read with section 62 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :

(1) These rules may be called the Industrial Reconstruction Bank of India (Employees' Provident Fund) Rules, 1988

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions

In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (i) "Act" means the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984);
- (ii) "Administration" means any of the Administrators of the Fund referred to in rule 4 ;
- (iii) "Chairman" means the Chairman of the Reconstruction Bank;
- (iv) "Family" means
 - (i) in the case of a male member, the wife or wives, children (including legitimate and adopted child, whether married or unmarried, dependent parents and a pre-deceased son's widow and children :

Provided that if a member proves to the satisfaction of the Committee of Administrators that his wife has been judicially separated or has ceased, under the customary or personal law of the community to which she belongs, to be entitled to maintenance, she shall thereafter be deemed to be no longer part of the member's family, unless the member subsequently intimates in writing to the Committee of Administrators that she shall continue to be so regarded ;

- (ii) in the case of female member, her husband, her children (including legitimate and adopted children), whether married or unmarried, or dependent parents, her husband's dependent parents and a pre-deceased son's widow and children :

Provided that if member, by notice in writing to the Committee of Administrators, expresses her desire to exclude her husband from her family, the husband and his dependent parents shall thereafter be deemed to be no longer a part of the member's family, unless the member subsequently cancels such notice in writing.

- (v) "Fund" means the provident fund constituted under section 62 of the Act;
- (vi) "member" means an officer or employee of the Reconstruction Bank who is required or entitled to become a member to the fund;
- (vii) "pay" means substantive pay and where admissible special pay, personal pay, special personal pay, overseas pay, and officiating pay, but does not include any allowance or other emoluments, unless specially classed as pay by the board ;
- (viii) "transferred employees" means an officer or employee of the Corporation who has become officer or employee of the Reconstruction Bank under sub-section (1) of section 7 of the Act.
- (ix) words and expressions used in these rules but not defined but defined in the Act have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Constitution :

The Fund constituted under section 62 of the Act shall be called "The Industrial Reconstruction Bank of India Employees' Provident Fund".

4. Administration :

The Fund shall be held by the Reconstruction Bank and be administered by a Committee of Administrators, which shall consist of the following, namely :—

- (a) the Chairman;
- (b) a director to be nominated by Board;
- (c) an officer of the Reconstruction Bank of the rank of or above the General Manager to be nominated by the Board; and
- (d) Three persons nominated by the Chairman, one from amongst the officers and two from amongst other employees of the Reconstruction Bank.

5. Meetings and quorum :

(1) The Committee of Administrators shall meet at Calcutta or at such place and at such time as may be appointed in this behalf by the Chairman.

(2) The Chairman or in his absence, the Director or in the absence of both, the officer referred to in clause (c) of rule 4, shall preside over such meeting.

(3) No business shall be transacted at any such meeting unless at least three Administrators are present, of whom at least one shall be the Chairman, Director or the officer referred to in clause (c) of rule 4.

(4) If at any meeting, the quorum is not present, the presiding officer shall adjourn the meeting informing the Administrators the time and place of the adjourned meeting and it shall thereupon be lawful to dispose of the business at such adjourned meeting, irrespective of the number of Administrators present.

(5) Every question considered at a meeting of the Committee of Administrators shall be decided by majority of vote of the Administrators present and voting and in the event of equality of votes, the presiding officer of the meeting shall have a casting vote.

6. Statement of Accounts :

The accounts of the Fund shall be made up yearly as on the 31st day of March and an audited statement of the accounts as at that date shall be submitted to a meeting of the Committee of Administrators to be held not later than the 30th day of September every year for approval, and a copy of such statement shall be made available to the member as soon as may be after such meeting.

7. Membership :

On the creation of the Fund under section 62 of the Act,—

- (a) Every permanent employee including an employee on contractual service (unless otherwise provided in the contract) and every transferred employee shall be bound to subscribe to the fund;
- (b) if so permitted by the Committee of Administrators :
 - (i) a temporary employee, other than an employee who is already contributing to some other Provident Fund, may also subscribe to the Fund;
 - (ii) any other person in receipt of remuneration, other than casual remuneration, from the Reconstruction Bank, may also subscribe to the Fund;
 - (iii) an officer or an employee who is on deputation with the Reconstruction Bank having a lien in service of any other employer, may subscribe to the Fund if the terms of his employment so permits;
 - (iv) an officer or an employee who is on deputation to a foreign service, having a lien with the Reconstruction Bank, may subscribe to the Fund only if such officer or employee also pays to the Fund the employer's contribution.

Explanation :

For the purpose of clause (a) an employee appointed on probation against a permanent post shall be deemed to be a permanent employee from the date of his first appointment.

8. Transfer of Provident Fund :

(1) The balance standing to the credit of every transferred employee in the Staff Provident Fund of Industrial Reconstruction Corporation of India Limited (RCI) or in the provident-cum-family pension fund to the Commissioner under the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), shall in accordance with the provisions of the Act stand transferred to the account of such employee in the Fund.

(2) The Committee of Administrators may, at the request of an employee accept to the credit of such employee any amount due to him from a Provident Fund account maintained by his former employer and transferred by the said employer directly to the fund.

9. Credit of arrears of pay, etc.

In case any arrears of pay becomes payable to any category of the officer or employees of the Reconstruction Bank and a decision is taken by the Reconstruction Bank that such arrears or any part thereof be credited to the account of the officer or employee, the Committee of Administrators shall at the request of the Reconstruction Bank, accept to the credit of account of such officer or employee;

- (a) the amount so credited; and
- (b) the contribution of the Reconstruction Bank in accordance with these rules.

10. Rate of subscription :

(1) The rate of subscription shall be 10 per cent of pay earned by a member in a month.

(2) In addition to the subscription specified in sub-rule (1), any member may make an additional subscription of an amount not exceeding 10 per cent of the pay earned by him in a month, so however that the total subscription to the Fund under sub-rule (1) and this sub-rule during a year shall not exceed 20 per cent of his pay.

(3) Every member desiring to subscribe to the Fund under sub-rule (2) shall give a notice to the Reconstruction Bank specifying the rate of subscription in Provident Fund in Form 1 annexed to these rules.

(4) The subscription referred to in sub-rules (1) and (2) shall be deducted by the Reconstruction Bank from the monthly pay of an officer or employee in amount calculated to the nearest rupee.

11. Reconstruction Bank's contribution :

The Reconstruction Bank shall contribute every month as employer's contribution sum equal to that subscribed by each member but in any case not exceeding 10 per cent of the pay earned by a member during that month :

Provided that in respect of a member who has been permitted to subscribe under clause (b) of sub-clause (ii) rule 7, the Reconstruction Bank shall be liable to make such contribution only if the conditions of service of such subscriber so provide.

Provided further, that where a temporary employee has been permitted to subscribe to the Fund under sub-clause (i) of clause (b) of rule 7, the Reconstruction Bank may, at its discretion contribute from the date of his appointment as temporary employee a sum equal to the amount subscribed by him during his temporary service, subject to a maximum of 10 per cent of his pay.

12. Subscription by Chairman :

Notwithstanding anything contained in rule 11, where the terms of office of the Chairman determined under sub-section (5) of section 12 of the Act provide for his subscribing to the Fund or to any other Provident Fund, the Reconstruction Bank shall, from such date as may be applicable under such terms of service, contribute every month to his account in the Fund or to such other Provident Fund, such sum, if any, as may be provided for in the said terms of service.

13. Interest :

(1) The Reconstruction Bank shall credit interest on the amount standing to each member's credit at the end of every half year at a rate which shall be fixed by the Reconstruction Bank having regard to the return which can be obtained on the investment of other provident, charitable, religious and trust and quasi-trust funds in accordance with rules, schemes, or directions made, framed or given by the Central Government in this behalf, but the rate of interest shall not be lower than the rate allowed by the Reserve Bank in respect of its employees' provident fund.

(2) The interest payable under sub-rule (1) shall be calculated to the nearest rupee on the monthly products of each member's account and shall be credited to the accounts half yearly as on the 31st day of March and 30th day of September.

14. Annual statement of each member's accounts :

The Committee of Administrators shall prepare an annual statement showing the amount standing to the credit of a member and a statement to that effect shall be supplied to each member as soon as may be after the close of a year.

15. Borrowing from Fund :

A temporary advance may be granted to a member on application to the Committee of Administrators from the amount standing to his credit in the Fund, subject to the following conditions, namely :—

(A) the Committee of Administrators is satisfied that the amount will be expended on any of the following objects :—

- (1) to pay expenses in connection with the illness, confinement or disability, including where necessary, the traveling expenses, of the member or any person dependent on him;
- (2) to meet the cost of higher education, including, where necessary, the travelling expenses of the member or any person dependent on him in the following cases, namely :—
 - (a) for education, outside India for an academic, technical, professional or vocational course beyond the High School stage; and
 - (b) for any medical, engineering, professional or other technical or specialised vocational course (of not less than three years duration) in India beyond the High

School stage, conducted by any recognised institution;

- (3) to pay obligatory expenses, which by customary usage the member has to incur in connection with marriage or other ceremonies of himself or of his children or of any other person dependent on him.
- (4) to meet the cost of legal proceedings instituted by the member for vindicating his position in regard to any allegation made against him in respect of any act done or purporting to be done by him in the discharge of his official duty;

Provided that the advance under this clause shall not be admissible to a member who institutes legal proceedings in any court of law either in respect of any matter unconnected with his official duty or against the Reconstruction Bank;

- (5) to meet the cost of his defence where the member is prosecuted by the Reconstruction Bank in any court of law;
- (6) to meet any other expenses or liability which, in the opinion of the Committee of Administrators, is unforeseen and extraordinary and beyond the ordinary means of the member.

(B) An advance under this rule shall not,—

- (1) ordinarily exceed 6 months' pay or the amount of the member's own subscription to the Fund and interest thereon, whichever is less; or
- (2) be granted until the repayment of the previous advance;
- (3) where it relates to maternity under the head confinement, be granted for more than two maternities :

Provided that the Committee of Administrators may in special cases, for reasons to be recorded in writing, grant advance exceeding six months' pay of a member.

(C) (a) An advance shall be recovered from the member in such number of equal monthly instalments as the Committee of Administrators may direct, but such number shall not be less than 12, unless the member so elects, or more than 24 :

Provided that in special cases where the amount of advance granted exceeds six months' pay of the member under the proviso to clause (B), the Reconstruction Bank may fix number of instalments exceeding 24 but in no case exceeding 48. A member may at his option repay more than one instalments in one month. Each instalment shall be multiple of whole rupee, the amount of the advance being raised or reduced, if necessary, to admit of the fixation of such instalments

(b) Recoveries shall commence by way of deduction from pay from the salary of the month following the month in which the advance is paid. Recoveries shall not be made out of the subsistence grant or allowance while the member is under suspension;

(c) Recoveries made under this sub-rule shall be credited to the member's account in the fund.

16. Advance for housing accommodation :

(1) Subject to each conditions and limitations as the Committee of Administrators may impose, an advance may be granted to a member from the amount standing to his credit in the Fund, for the purpose of purchasing shares in a housing co-operative society or for making any deposit or payment of money by way of earnest or otherwise, in each case solely with a view to securing a house or premises for his residence or the residence of any person dependent on him.

(2) An advance under this rule shall be permitted only once during the service of the member and shall not exceed the amount of the member's subscriptions to the Fund and interest thereon, or the amount actually required for the purpose for which the advance has been applied for, whichever is less.

(3) An advance under this rule shall be recovered in such number of monthly instalments, not exceeding 120, at such times and of such amount as the Committee of Administrators may direct. A member may, at his option, repay more than one instalment in one month.

17. Insurance policies :

(1) Sum to meet payments towards a policy of insurance on the life of the member effected under a scheme of insurance maintained or approved by the Reconstruction Bank may be withheld from subscriptions to the Fund, or withdrawn from the amount subscribed thereto by the member (including interest thereon). Any sum so withheld from a subscription shall be deemed to be part of the subscription for the purpose of calculating the Reconstruction Bank's contribution under rule 11.

(2) Where sums are withheld from subscriptions to the fund or withdrawn from the amount subscribed thereto by a member under sub-rule (1), the policy of insurance in respect of which sums are withheld or withdrawn shall be assigned to the Reconstruction Bank in consideration of the payments of premia on such policy and on such terms and conditions as the Reconstruction Bank may impose in respect of the amount, if any, recoverable by the Reconstruction Bank from the insurer.

18. When interest ceases to accrue :

Interest on all sums standing in the credit of a member shall cease to accrue on the expiry of a period of six months from—

- (a) the day on which he leaves the service of the Reconstruction Bank, or

(b) the day on which period of leave commences, where he leaves the service of the Reconstruction Bank on the expiry of any period of leave, commencing on or after the date on which he would have retired from the service of the Reconstruction Bank but for such leave, or dies during such period of leave,

(c) the date of his death, when he dies in service of the Reconstruction Bank, otherwise than in the circumstances referred to in clause (b) :

Provided that, if, in any case before the expiry of the said period of six months,—

(i) the member or his nominee or legal representative applies for the disbursement of the said sum or any part thereof, or

(ii) the said sums are, or any part thereof is paid under order of such court or a tribunal, interest shall cease to accrue on the said sums or, as the case may be, on such part from the date on which the said sums are, or any part thereof, is authorised to be disbursed, or as the case may be, paid to the order of such court or tribunal :

Provided further that the Committee of Administrators may allow interest on sums standing in the credit of a member for a further period, not exceeding one year, if it is satisfied that the non-payment of such sums to the member or his nominee or nominees or legal representative is not due to any default or lapse on the part of the member or his nominee or nominees or legal representatives.

19. Payment of amount standing to credit of member :—

(1) The sums standing to the credit of a member shall become payable to him or his nominees or legal representatives on the termination of his service or on his death :

Provided that a member on leave preparatory to retirement may at his option withdraw from the sums standing to his credit in the fund an amount not exceeding his own subscriptions and the interest thereon :

Provided further that a member may, at any time after completion of 20 years of service or any time during the 10 years immediately preceding the date of his retirement, or on the date of expiry of his specified tenure of office, be permitted by the Committee of Administrators to withdraw, for any of the purposes and subject to the provisions contained in sub-rules (2), (3) and (4) from the sums standing to his credit in the Fund, upto such amount as is specified in rule 20.

Provided also that, if the Committee of Administrators so directs, be deducted from the sum standing to the credit of a member and paid to the Reconstruction Bank—

- (a) any amount due under a liability incurred including defalcation, misappropriation, fraud, gross

negligence by the member to the Reconstruction Bank upto the total amount contributed by the Reconstruction Bank to his account, including the interest credited in respect thereof; or

(b) where the member has been dismissed or terminated from service on account of misconduct or gross negligence or where the member has resigned his employment within 5 years of the commencement of his continuous service in the Reconstruction Bank, including temporary service, the whole or any part of the amount of such contribution together with interest credited in respect thereof.

EXPLANATION : For computing 20 years service, any service rendered by a transferred employee in the Corporation or any other establishment having a recognised Provident Fund account to which he was a member, shall be taken into account.

(2) Subject to such terms and conditions as may be imposed by the Reconstruction Bank, a withdrawal under the second provision to sub-rule (1) may be permitted for :—

(a) Meeting the cost of higher education including where necessary, the travelling expenses of any child of the member dependent on him, in the following cases, namely :—

- (i) for education outside India for pursuing academic, technical, professional or vocational course, beyond the High School stage; and
- (ii) for any medical, engineering or other technical professional or specialised vocational course in India, not less than 3 year course beyond the High School stage conducted by any recognised institution.

(b) Meeting the expenditure in connection with the marriage of the member, his son or daughter or any other female relation actually dependent on him;

(c) Meeting the expenses in connection with the illness, including, where necessary, the travelling expenses of the member or any person actually dependent on him;

(d) Purchase of a house or a site for a house;

(e) Building of a house on a plot of land belonging to the member or the member's spouse, where such spouse is a nominee of the member and such nomination subsists on the date of application for withdrawal;

(f) repayment of a loan taken for such purchase of building (including such loan secured on the house or site purchased or house built);

(g) Reconstruction or making additions or alteration to a house already owned or acquired by the member or an ancestral house in which the member has an interest under the personal law applicable to him.

EXPLANATION : For the purpose of this sub-rule,

- (a) "House" includes all types of residential units;
- (b) "Purchase of a house" includes —

- (i) the acquisition as a member of a co-operative housing society, whether by purchase of shares in or by depositing sums with such society, of residential accommodation allotted by the society; and
- (ii) the purchase of a residential house or premises on hire-purchase basis from a housing board, city improvement trust or other like authority, formed or established under any law for the time being in force :

Provided that the withdrawal under clauses (d), (e), (f), and (g) shall be admissible subject to the following conditions, namely :—

(a) The house purchased or built or the site should be for the member himself;

(b) The house or the site should be at the station where the member is working or at the place to be declared by him in writing as the place in India where he intends to reside after retirement.

(c) The amount permitted to be withdrawn shall not exceed the amount required for the purpose for which withdrawal is permitted; any excess of the amount withdrawn over the amount actually required shall forthwith be refunded;

(d) The member shall, if so required by the Reconstruction Bank, satisfy in such manner as it may specify, as to any of the following matters, namely :—

- (1) that the amount sought to be withdrawn or permitted to be withdrawn is actually required for the purpose for which withdrawal is sought or has been permitted, and that it has been applied to such purpose;
- (2) that the amount sought to be withdrawn or permitted to be withdrawn together with other funds, if any, available to the member, is sufficient for the purpose for which withdrawal is sought or has been permitted;
- (3) that the member has obtained or will obtain a good title to the site or the house or where the construction is to be put up on a site belonging to the member's spouse has obtained or will obtain a good title to the site of the house; and
- (4) that the member has obtained or will obtain all the permissions and approvals necessary for building the house and the member shall comply with such requirement.

(e) Where the withdrawal is for building a house, construction of such building shall commence before the expiry of six months or such longer period, as the Committee of Administrators may allow, and be completed before the expiry of eighteen months or such longer period as the Committee of Administrators may allow, from the date the member receive the amount withdrawn or any part thereof;

(f) Where the withdrawal is for repayment of a loan, such repayment shall be made within three months from the date the member receive the amount withdrawn or any part thereof;

(g) Where the withdrawal is for the purpose of building a house, the amount permitted to be withdrawn may be paid out in such number of instalments and at such time or times as the Committee of Administrators may, determine, having regard to the progress made in the building;

(h) The member shall not, without the previous written permission of the Committee of Administrators, transfer, mortgage or otherwise alienate the site or house, in default, the member shall be liable to refund in one instalment the entire amount withdrawn.

(i) Where a member falls within clause (b) of explanation to Clause (g), shall also satisfy the Reconstruction Bank that he has obtained title to the shares in the Co-operative housing society concerned or has obtained the documents evidencing the deposit of sums with the society; or that he has obtained the documents evidencing his right to the residential house or premises purchased on hire purchase basis or otherwise from a Housing Board, City Improvement Trust or other like authority, formed or established under any law for the time being in force;

20. Limit of withdrawal in certain cases.—(1) Withdrawal by a member at any one time for one or more of the purposes specified in clause (a), (b), (c) and (g) of sub-rule (2) of rule 19 shall not exceed one half of his own subscriptions and the interest thereon or six months' pay, whichever is less;

Provided that the Committee of Administrators may, sanction the withdrawal of an amount in excess of limit specified in this sub-rule upto three-fourths of the member's own subscription and the interest thereon in the Fund having due regard to—

(a) the object for which the withdrawal is being made;

(b) the status of the member; and

(c) the amount of his own subscription and the interest thereon in the Fund.

(2) Withdrawal by a member under clauses (d), (e) and (f) of sub-rule (2) of Rule 19 shall not exceed his own subscription and the interest thereon.

(3) A member who has been permitted to withdraw from the fund under sub-rule (2) of Rule 19 shall satisfy the Committee of Administrators within such period as may be specified by the Committee of Administrators that the money has been utilised for the purpose for which it was withdrawn, and if he fails to do so, the whole of the sum so withdrawn or such part thereof as has not been applied for the purpose for which it was withdrawn, shall be forthwith repaid in one lump sum together with interest thereon at the rate determined under rule 13 by the member to the Fund, and in default of such payment it shall be recovered by the said Committee from his

emoluments either in one lump sum or in such number of monthly instalments as may be determined by it.

21. Conversion of advance into withdrawal.—A member who has been granted an advance under rule 15 or rule 16 for any of the purposes specified therein, may be permitted by the Committee of Administrators to convert the balance outstanding against such advance into a withdrawal under rule 19 on his satisfying the conditions laid down in the said rule.

22. Nominations.—(1) Every member shall nominate in Form 2 annexed to these rules one or more members of his family to whom the amount standing at his credit in the Fund shall be payable in the event of his death.

(2) A member who has no family, shall nominate a person in Form 3 annexed to these rules, which shall be valid only for so long as the member has no family and that if a member subsequently acquires a family he shall nominate a member of the family in Form 2.

Provided that any nomination made either under Staff Provident Fund of Industrial Reconstruction Corporation of India Limited Rules or under the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Act, 1952 or the schemes thereunder, by the transferred employee shall be deemed to be a nomination under this rule.

(3) a nomination may be cancelled or modified by a member by notice in writing

23. Nominations of dependents in certain cases.—Notwithstanding anything contained in rule 22 a member may be permitted to nominate in Form 4 annexed to these rules any person who is a dependent as defined in clause (c) of section 2 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1952), if the Committee of Administrators is satisfied that the making of the substitution of a nomination in accordance with the said rule would cause undue hardship or would not be just and equitable.

24. Payment on death of a member.—On the death of a member,—

(1) When the member leaves a family :—

(a) if a nomination made by the member under rule 22 subsists, the amount standing to his credit in the fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to the nominee or nominees in the proportion specified in the nomination;

(b) if no such nomination subsists or if such nomination relates only to a part of the amount standing to his credit in the fund, the whole amount or, as the case may be, the part thereof to which the nomination does not relate, shall notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any person other than a member or members of his family become payable to the members of his family in equal shares.

(2) When a member leaves no family.—(a) if a nomination made by the member in favour of any person, who is a dependent of the member, as defined in clause (c) of section 2 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), subsists the amount standing to his credit in the Fund, or as the case may be, the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination;

(b) If such nomination is in favour of any person who is not a dependent as defined in clause (c) of section 2 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the amount standing to his credit in the Fund or, as the case may be, the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to such nominee if the amount does not exceed five thousand rupees;

(c) If no such nomination subsists, or if such nomination relates to only a part of the amount standing to the credit of the member in the Fund, the whole, or, as the case may be, the part thereof to which the nomination does not relate, shall become payable to any person appearing to the Committee of Administrators to be otherwise entitled to receive it, if the whole sum or, as the case may be, the part thereof does not exceed five thousand rupees;

(3) Any sum or any part thereof which is not payable to any person under sub-clauses (a), (b), and (c) of sub-rule 2 shall become payable to any person on production of probate or letters of administration evidencing the grant to him of administration to the estate of the deceased or a succession certificate in accordance with clause (c) of Section 4 of the Provident Funds Act, 1925.

25. Every employee on becoming a member to the fund shall execute a declaration in Form 5 annexed to these rules.

[No. 1(3)|88-IF.II]

M. C. SATYAWADI, Jt. Secy.

PROVIDENT FUND FORM 1

IRBIEPF.

FORM FIXING RATE OF ADDITIONAL SUBSCRIPTIONS RULE 10(3)

PLACE :-----

DATE :-----

THE MANAGER
INDUSTRIAL RECONSTRUCTION
BANK OF INDIA

Sir,

I hereby request that in terms of Sub Rule (3) of Rule 10 of the Industrial Reconstruction Bank of India Employees' Provident Fund Rules, 1988, -----per cent of my pay be deducted every month as my voluntary additional subscription to the Provident Fund, the first of such deductions to

be made from my pay for the month of-----
1988.

I am
Yours faithfully,

(SIGNATURE)

DESIGNATION-----

INDEX NO. -----

PROVIDENT FUND FORM 2

IRBIEPF

FORM OF NOMINATION WHEN SUBSCRIBER HAS A FAMILY RULE 22 (i)

INDEX NO.-----

NAME-----

PLACE :-----

DATE :-----

THE ADMINISTRATORS OF THE INDUSTRIAL RECONSTRUCTION BANK OF INDIA EMPLOYEES' PROVIDENT FUND

Gentlemen,

I hereby direct that the amount payable to me from the Industrial Reconstruction Bank of India Employess' Provident Fund at the time of my death shall be distributed among the members of my family mentioned below in the manner shown against their names :

1. Name and address
of the nominee
or nominees

2. Relationship
with the
subscriber

3. Age of the
nominee or
nominees

4. Amount or
share of
accumulations

I am
Yours faithfully,

(SIGNATURE)

SUBSCRIBER'S SIGNATURE
VERIFIED BY ME,

MANAGER

WITNESS.

(1) -----
DESIGNATION-----
ADDRESS-----

(2) -----
DESIGNATION-----
ADDRESS-----

NOTE : COLUMN 4 SHALL BE FILLED IN SO
AS TO COVER THE WHOLE AMOUNT
AT CREDIT.

PROVIDENT FUND FORM 3

IRBIEPF

FORM OF NOMINATION WHEN SUBSCRIBER
HAS NO FAMILY RULE 22(2)

INDEX NO.-----

NAME-----

PLACE :-----

DATE :-----

THE ADMINISTRATORS OF THE
INDUSTRIAL RECONSTRUCTION BANK OF
INDIA EMPLOYEES' PROVIDENT FUND

Gentlemen,

I hereby declare that I have no family and direct that the amount payable to me from the Industrial Reconstruction Bank of India Employees' Provident Fund at the time of my death shall, in the event of my having no family, be distributed among the persons mentioned below in the manner shown against their names :

1. Name and address of the nominee or nominees
2. Relationship if any with the subscriber
3. Age of the nominee
4. Amount of share or accumulations

I am
Yours faithfully,

(SIGNATURE)

WITNESS.

(1) -----
DESIGNATION-----
ADDRESS-----

(2) -----
DESIGNATION-----
ADDRESS-----

SUBSCRIBER'S SIGNATURE
VERIFIED BY ME,

MANAGER

Note : Column 4 shall be filled in so as to cover the whole amount at credit. Column 3 will be applicable if nominee is a natural person but not otherwise.

PROVIDENT FUND FORM 4

IRBIEPF

FORM OF NOMINATION TO BE COMPLETED
WHEN THE SUBSCRIBER HAS A FAMILY BUT
WISHES TO NOMINATE A DEPENDANT IN
TERMS OF RULE 28

INDEX NO.-----

NAME-----

PLACE :-----

DATE :-----

THE ADMINISTRATORS OF THE
INDUSTRIAL RECONSTRUCTION BANK OF
INDIA EMPLOYEES' PROVIDENT FUND

Gentlemen,

I hereby direct that the amount payable to me from the Industrial Reconstruction Bank of India Employees' Provident Fund at the time of my death shall be distributed among my dependants mentioned below in the manner shown against their names :-

1. Name and address of the Nominee or Nominees

2. Relationship with the subscriber

3. Age of the nominee

4. Amount of share of accumulations

5. Reason for nominating dependent when the subscriber has a family

5

I am
Yours faithfully,

(SIGNATURE)

WITNESS.

(1) -----
DESIGNATION-----
ADDRESS-----

(2) -----
DESIGNATION-----
ADDRESS-----

SUBSCRIBER'S SIGNATURE
VERIFIED BY ME,

MANAGER

Note : Column 4 shall be filled in so as to cover the whole amount at credit.

PROVIDENT FUND FORM-5

[FORM OF AGREEMENT]

[RULE 25]

PLACE : _____

DATE : _____

Name (in full) _____

Date of birth _____

Nature of appointment _____

Salary per month _____

I am
Yours faithfully,

(SIGNATURE)

INDEX NO. _____

THE ADMINISTRATORS OF THE
INDUSTRIAL RECONSTRUCTION BANK OF
INDIA EMPLOYEES' PROVIDENT FUND

Gentlemen,

I hereby declare that I have read and understood
the Industrial Reconstruction Bank of India Em-
ployees' Provident Fund Rules, 1988; and I hereby
subscribe and agree to be bound by the said Rules.

WITNESS.

(SIGNATURE)

DESIGNATION _____

ADDRESS _____